(b) the total generation of electricity during the last three years, year wise and regionwise?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI KALPNATH RAI): (a) The requisite information is as under:-

(Period Aprii-June,1988)
(Figures in MUs net)

Region	Requirement	Availability	Shortage	(%)
Northern	16686	15558	1128	(6.8)
Western	16315	15832	483	(3.0)
Southcn	14015	11483	2532	(18.1)
Eastern	6870	6134	736	(10.7)
North-Eastern	545	511	34	(6.2)
All India	54431	49518 .	4913	(9.0)

(b). The required inforrmtion is as under;—

ENERGY GENERATION (Fig. in MU)

	1985-86	1936-87	1937-88
Northern Region	46149	52842	59517
Western Region	57389	63128	68945
Southern Region	43486	47091	47634
Eastern Region	21175	22630	23646
North-Eastern Region	1838	1914	2152
All India	170037	187605	201894

सौर ऊर्जा का उत्पादन

4498. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इस समय कौन-कौन से राज्यों में कितनी-कितनी मात्रा में सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है?

ऊर्जा मंत्री (श्री वसंत साठे) : विभिन्न प्रकार की ऊर्जा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए देश के सभी राज्यों में सौर ऊर्जा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूपों में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। रोशनी, पम्पन, सामुदायिक टेली-विजन आदि जैसे अनुप्रयोगों के लिए स्थापित की गई सौर प्रकाश वोल्टीय प्रणालियों से लगभग 1.5 मिलियन किलोवाट घंटा विद्युत्त ऊर्जा का उत्पादन किए जाने का अनुमान है। जल तापन, शुष्कन, खाना पकाने, आसवन जैसे अनुप्रयोगों के लिए सौर तापीय प्रणालियों से प्रतिवर्ष 242 मिलियन किलोवाट घंटा तापीय ऊर्जा का उत्पादन या बजट किए जाने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त ,6 मेगावाट की स्थापित क्षमता सहित पवन फार्म परियोजनायें से 1987-88 में 4.8 मिलियन विद्युत्त यूनिटों का उत्पादन किया गया। इसके अतिरिक्त, बायोगैस तथा बायोमास कार्यक्रम प्रतिवर्ष 4801 मिलियन किलोवाट घंटा ऊर्जा का उत्पादन अथवा बचत

कर रहे हैं तथा उन्नत प्रकार के चूल्हे प्रतिवर्ष 3 मिलियन टन से अधिक जलावन लकड़ी की बचत कर रहे हैं।

विभिन राज्यों में बिजली उत्पादन की लागत

4499. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रत्येक राज्य में बिजली की वर्तमान आवश्यकता और बिजली के उत्पादन की स्थिति क्या है;

(ख) प्रत्येक राज्य में प्रति मेगावाट बिजली की उत्पादन लागत कितनी है और बिजली का उत्पादन लागत में असमानता को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं तथा यदि इस प्रकार के कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या गुजरात में गैस पर आधारित बिजली उत्पादक परियोजना स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(घ) इस संबंध में गुजरात की मांग कितनी है तथा निर्णय कब तक ले लिये जाने की सम्भावना है?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) अपेक्षित सूचना विवरण 1 और 2 में दी गई है **(नीचे देखिये)**।

(ख) विद्युत उत्पादन की लागत प्रत्येक परियोजना के लिए अलग-अलग होती है और अनेक पहलुओं पर निर्भर करती हैं जिनमें ये शामिल हैं --जल विद्युत परियोजनाओं के संबंध में सिविल कार्यों की मात्रा तथा प्रचालन संबंधी भौर अनुपात और जहां तक ताप विद्युत्त परियोजनाओं का संबंध है, उपर्यक्त पहलुओं में ये शामिल है--संयंत्र तथा उपस्कर का स्थल और इनका स्वरूप, यूनिटों का आकार, ईंधन का स्वरूप, परियोजना की लागत और वर्ष में इसके प्रचालन के घंटें। विभिन्न राज्यों में विद्युत उत्पादन की औसत लागत विवरण 3 में दी गई है **(नीचे देखिये)**।

(ग) जी, हां।

(घ) अपेक्षित सूचना विवरण--4 में दी गई हैं।

विवरण–1

अप्रैल, 88–जुलाई, 88 के दौरान ऊर्जा की मांग का राज्यवार ब्यौरा

(आंकड़े मिलियन यूनिट निवल में)

क्षेत्र/राज्य/प्रणाली	अप्रैल, 88--जुलाई, 88 मांग
1	2
उत्तरी क्षेत्र	
चण्डीगढ़	157
दिल्ली	490